

प्रेषक,

सं0— / 11-2015-03(3) / 2015

आनन्द वर्द्धन  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,  
सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,  
देहरादून।

## सिंचाई अनुभाग-2

विषय:-

वित्तीय वर्ष 2015-16 में जनजाति उप योजना (राज्य सैकटर) के अन्तर्गत जनपद देहरादून के विकास खण्ड चक्राता की 03 बाढ़ सुरक्षा कार्यों हेतु प्रशासकीय/ वित्तीय स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं0 873/मुअवि/नि0अनु0/टी0ए0सी0 दिनांक 13 अप्रैल, 2015 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है जनपद देहरादून के विकास खण्ड के चक्राता के अन्तर्गत 03 बाढ़ सुरक्षा योजनाओं के प्राक्कलनों की विभागीय टीएसी द्वारा संस्तुत कुल लागत रु0 27.79 लाख (रु0 सत्ताईस लाख उन्नासी हजार मात्र) की वित्तीय वर्ष 2015-16 में प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए सलग्न विवरणानुसार व्यय हेतु निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :—

- (i) सम्बन्धित धनराशि का व्यय केवल उन्हीं योजनाओं के अन्तर्गत किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति जारी की जा रही है तथा जिन योजनाओं की स्वीकृति प्राप्त है। धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे। जहां कही आवश्यक हो यथावश्यकता सक्षम अधिकारी/ शासन की स्वीकृति व्यय से पूर्व प्राप्त कर ली जाय।
- (ii) धनराशि का आहरण व व्यय वास्तविक आवश्यकता के अनुसार चालू कार्यों में ही किस्तों में किया जायेगा।
- (iii) धनराशि व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृत एवं कार्यों के प्राक्कलन सक्षम अधिकारी से अवश्य स्वीकृत करा लिये जाय।
- (iv) उक्त व्यय में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 तथा शासन द्वारा मितव्यता के विषय में समय-समय पर जारी किये गये आदेशों एवं निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाय।
- (v) जहां आवश्यक हो कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व भूगर्भ वैज्ञानिक से उपयुक्तता के सम्बन्ध में आख्या प्राप्त कर ली जाय तथा कार्यों के सम्बन्ध में यथोचित भूकम्प निरोधी तकनीकी का प्रयोग किया जाय।
- (vi) स्वीकृत धनराशि का खण्डवार विभाजन/फॉट मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष द्वारा किया जायेगा, जिसका विवरण शासन को भी उपलब्ध कराया जायेगा। स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय एवं उपयोगिता के सम्बन्ध में आवश्यक प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर प्रत्येक माह के अन्त में नियमानुसार निर्धारित तिथि तक महालेखाकार उत्तराखण्ड राज्य सरकार एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाय। उक्तानुसार आवंटित धनराशि को तत्काल कार्यदायी संस्था/आहरण वितरण अधिकारी को अवमुक्त कर दी जाय, जिससे क्षेत्रीय स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न हो।
- (vii) कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

(viii) विभागीय कार्य करने से पूर्व सिंचाई विभाग/लोक निर्माण विभाग की दरों पर आगणन गठित कर एवं तकनीकी अधिकारियों की संस्तुति के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।

(ix) त्रैमासिक रूप से कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण एवं व्यय विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा और स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31 मार्च, 2016 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।

(x) धनराशि आहरण सी0सी0एल0 हेतु निर्धारित नियमान्तर्गत ही किया जायेगा।

2 इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 में अनुदान संख्या-31 (राज्य सैक्टर) के अन्तर्गत आयोजनागत मद में लेखाशीर्षक 4711-बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं पर पूंजीगत परिव्यय-01-बाढ़ नियंत्रण-796-जनजाति क्षेत्र उपयोजना-03-सिविल निर्माण कार्य-01- अनापेक्षित आपातकालीन कार्य नदी में सुधार तथा कटाव-24 बहुत निर्माण कार्य मद के नामे डाला जायेगा।

3 धनराशि आहरण वितरण अधिकारी को कम्प्यूटर आवंटन संख्या S दिनांक से आवंटित की जा रही है। धनराशि के उपयोग हेतु शासनादेश संख्या 400/XXVII(1)/2015, दिनांक 01.04.2015 के द्वारा निर्गत दिशा निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

4 यह आदेश वित्त विभाग के असासकीय संख्या 353/XXVII(1)/2015, दिनांक 12 अगस्त, 2015 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किए जा रहे हैं।

संख्या-०६७ (१) / / ।।।-2015-03(3)/2015 तददिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार (ऑडिट) उत्तराखण्ड, वैभव पैलेस सी-1/105, इन्दिरानगर, देहरादून।
2. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड ओबराय मोर्टस बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
3. निजी सचिव, मा० सिंचाई मंत्री जी को मा० मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
4. निदेशक, राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
5. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमांऊ मण्डल, नैनीताल।
6. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।।।
8. वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
9. नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
10. बजट निदेशालय, उत्तराखण्ड शासन।
11. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड, 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
12. सम्बन्धित सिंचाई खण्ड द्वारा मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष, सिंचाई, उत्तराखण्ड।
13. गार्ड फाईल।

संलग्न-यथोक्त

आज्ञा से,

(चन्दन सिंह रावत)  
अनु सचिव।

शासनादेश सं-४६९/ ११-२०१५-०३(३)/२०१५, दिनांक १७ अगस्त, २०१५ का संलग्नक

क्र०सं०	योजना का नाम	(धनराशि रु० लाख में)	
		योजना की लागत	अवमुक्त की जा रहीं धनराशि
१	जनपद देहरादून के चक्राता विकासखण्ड के खेड़ा व्यलोग में प्यारेराम आदि के मकानों व बगीचों एंव सिंचित भूमि की कटाव से रोकथाम योजना	9.41	9.41
२	जनपद देहरादून के चक्राता विकासखण्ड के राजस्व ग्राम हनोल के पास खेड़ा डडवाड स्थित कषि भूमि की टोंस नदी के कटाव रोकथाम की योजना	9.33	9.33
३	चक्राता विकासखण्ड में रेहटा खड़ड से कुवर सिंह आदि के मकानों एंव भूमि कटाव की रोकथाम की योजना	9.05	9.05
योग :-			27.79

(रु० सत्ताईस लाख उन्नासी हजार मात्र)

  
(चन्दन सिंह रावत)  
अनु सचिव